निष्क्रिय खातों को करें सक्रिय, साइबर फ्राड से बचें

सीएसपी का निरीक्षण करते एसबीआई, पीएनबी व ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक • जागरण

कार्यक्रम मे उपस्थित मुख्य अतिथि के साथ शाखा प्रबंधक • जागरण

संवाद सूत्र, जागरण • तरहसी (पलामू) : वित्तीय समावेशन को जमीनी स्तर पर पहुंचाने और ग्रामीणों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने के लिए तरहसी पंचायत सचिवालय में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण पहल की गई। वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत आयोजित इस जागरूकता सह सहायता शिविर में बैंकों के आला अधिकारियों ने न सिर्फ लोगों को बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी दी, बल्कि निष्क्रिय खातों को पुनः सक्रिय करने, बीमा-पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ उठाने और साइबर ठगी से बचाव के उपायों को लेकर भी विस्तार से समझाया। इस अभियान का उद्देश्य 100% वित्तीय समावेशन था। यानी कोई भी ग्रामीण ऐसा न रहे जिसका बैंक खाता निष्क्रिय हो, या जो केंद्र/राज्य सरकार की योजनाओं से वंचित हो। शिविर में भारतीय स्टेट बैंक, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के क्षेत्रीय व शाखा प्रबंधक सहित अनेक बैंककर्मी एवं सीएसपी प्रतिनिधि मौजूद रहे। एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक अमिया अभिषेक, मुख्य प्रबंधक अजय कुमार, जेआरजीबी के अरुण कुमार, पीएनबी के अनिल कुमार और स्थानीय शाखा प्रबंधकों ने संयुक्त रूप से लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ने की प्रक्रिया को सरल ढंग से समझाया।

कार्यक्रम मे उपस्थित खाताधारक • जागरण

ई-केवाईसी के बिना नहीं मिलेगा योजनाओं का लाभ: बैंकों के अनुसार प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खोले गए कई खाते निष्क्रिय पड़े हैं। इन खातों को ई-केवाईसी (इलेक्ट्रानिक केवाईसी) कर पुनः चालू किया जा सकता है। मौके पर कई ग्रामीणों ने अपने निष्क्रिय खातों का केवाईसी अपडेट कर तुरंत लाभ उठाया। विशेष रूप से यह भी स्पष्ट किया गया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना जैसे लाभों के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य है।

साइबर फ्राड से बचाव के लिए विशेष अपील : कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा को लेकर विशेष चेतावनी दी गई। एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक अमिया अभिषेक ने साफ कहा, "कोई भी बैंक ओटीपी, पासवर्ड या एटीएम पिन नहीं मांगता। ऐसे कॉल या मैसेज आएं तो सतर्क रहें और तुरंत शाखा से संपर्क करें।" हाल के दिनों में "बीमा दिलाने" या "खाता सक्रिय करने" के नाम पर कई ग्रामीण ठगी का शिकार हो चुके हैं। कार्यक्रम में उपेंद्र कुमार गुप्ता, अजीत कुमार, हीरामणी साव, प्रिय रंजन पांडेय, पंकज कुमार गुप्ता, रणधीर कुमार, प्रहलाद कुमार, महबूब अंसारी आदि मौजूद थे।

सीएसपी प्रतिनिधि लोगों को करें जागरूक

बैंकों ने अपने सीएसपी प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे गांवों में जाकर निष्क्रिय खातों की पहचान करें, लाभार्थियों को जागरूक करें और ई-केवाईसी की प्रक्रिया में सहायता करें। कार्यक्रम में उपेंद्र